This question paper contains 2 printed pages. *Your Roll No. ....*

Sl. No. of Ques. Paper	: 1221	F
Unique Paper Code	: 205201	
Name of Paper	: प्रश्नपत्र IV— हिन्दी कहानी	
Name of Course	: बी०ए० (ऑनर्स) हिन्दी	
Semester	: II	
Duration	: 3 hours	
Maximum Marks	: 75	

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

1. किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 8,8

(क) मुंशी जी के निबटने के पश्चात् सिद्धेश्वरी उनकी जूठी थाली ले कर चौके की ज़मीन पर बैठ गई। बटलोई की दाल को कटोरे में उड़ेल दिया, पर वह पूरा भरा नहीं। छिपुली में थोड़ी-सी चने की तरकारी बची थी, उसे पास खींच लिया। रोटियों की थाली को भी उसने पास खींच लिया। उसमें केवल एक रोटी बची थी। मोटी-भद्दी और जली उस रोटी को वह जूठी थाली में रखने जा रही थी कि अचानक उसका ध्यान ओसारे में सोए प्रमोद की ओर आकर्षित हो गया। उसने लड़के को कुछ देर तक एकटक देखा, फिर रोटी को दो बराबर टुकड़ों में विभाजित कर दिया। एक टुकड़े को तो अलग रख दिया और दूसरे टुकड़े को अपनी जूठी थाली में रख लिया। तदुपरांत एक लोटा पानी लेकर खाने बैठ गई। उसने पहला ग्रास मुँह में रखा और तब न मालूम कहाँ से उसकी आँखों से टप-टप आँसू चूने लगे।

(ख) पत्र बड़ा नहीं था। सीधे-सादे ढंग से उसमें यह लिखा था कि आप जब विवाह के लिए यहाँ पहुँचेंगे तो मुझे प्रस्तुत भी पाएँगे। लेकिन मेरे चित्त की हालत इस समय ठीक नहीं है और विवाह जैसे धार्मिक अनुष्ठान की पात्रता मुझमें नहीं है। एक अनुगता आपको विवाह द्वारा मिल जाएगी। पर चाहिए कि वह जीवन-संगिनी भी हो। वह मैं हूँ या हो सकती हूँ, इसमें मुझे बहुत संदेह है। फिर भी अगर आप चाहें, आपके माता-पिता चाहें, तो प्रस्तुत मैं अवश्य हूँ। विवाह में आप मुझे लेंगे और स्वीकार करेंगे तो मैं अपने को दे भी दूँगी, आपके चरणों की धूल माथे से लगाऊँगी। आपकी कृपा मनाऊँगी। कृतज्ञ होऊँगी। पर निवेदन है कि यदि आप मुझ पर से अपनी माँग हटा लेंगे, मुझे छोड़ देंगे, तो मैं और भी कृतज्ञ होऊँगी। निर्णय आपके हाथ में है। जो चाहे निर्णय करें।

(ग) सोनकर को पहली ही परीक्षा में फेल कर दिया गया था। क्योंकि उसने प्रणव मिश्रा के खिलाफ पुलिस में नामजद रपट लिखाने का दुस्साहस किया था, डीन और अन्य प्रोफेसरों तक शिकायत पहुँचाने की हिमाक़त की थी, यह भूलकर कि वह इस चक्रव्यूह में अकेला फँस गया है, जहाँ से बाहर अपने लिए उसे कौरवों की कई अक्षौहिणी सेना और अनेक महारथियों से टकराना पड़ेगा। परीक्षाफल का व्यूह भेदकर सोनकर बाहर नहीं आ पाया था। कई महारथियों ने निहत्थे सोनकर की हत्या कर दी थी। जिसे आत्महत्या कहकर प्रचारित किया गया था।

P. T .O.

2. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं **दो** पाठांशों का रचना-कौशल लगभग 150 शब्दों में स्पष्ट कीजिए:— 7 + 7

(क) **निर्देश: कथाभाषा की दृष्टि से**

भक्-भक् बिजली-बत्ती की बात सुनकर न जाने क्यों सभी खिलखिलाकर हँस पड़ीं। फुआ की टूटी हुई दंत-पंक्तियों के बीच से एक मीठी गाली निकली— "शैतान की नानी !" बिरजू की माँ की आँखों पर मानो किसी ने तेज़ टॉर्च की रोशनी डालकर चौंधिया दिया । ...... भक्-भक् बिजली-बत्ती ! तीन साल पहले सर्वे कैम्प के बाद गाँव की जलन-डाही औरतों ने एक कहानी गढ़ के फैलाई थी, चम्पिया की माँ के आँगन में रात-भर बिजली-बत्ती भुकभुकाती थी।

(ख) **निर्देश: प्रतीकात्मकता की दृष्टि से**

मैंने भी पहले अर्ज़ किया था कि यह कहानी नहीं है, सच्चाई है। आप स्वीकार क्यों नहीं कर लेते कि जीवन की वास्तविकता किसी भी काल्पनिक साहित्यिक कहानी से ज़्यादा हैरतअंगेज़ होती है। और फ़िर ऐसी वास्तविकता जो किसी मज़दूर के जीवन से जुड़ी हुई हो। हमारे गाँव मड़र के अलावा जितने भी लोग टेपचू को जानते हैं वे यह मानते हैं कि टेपचू कभी मरेगा नहीं— साला जिन्न है। आपको अब भी विश्वास न हो तो जहाँ, जब, जिस वक्त आप चाहें मैं आपको टेपचू से मिलवा सकता हूँ।

(ग) **निर्देश: चरित्रांकन की दृष्टि से**

दिन का काम शुरु करने से पहले गौरी रोज़ बीड़ी पीती है। बीड़ी पीते समय वह बच्चों की ओर भी नहीं देखती। कहीं गहरे में खोकर वह बीड़ी के कश लगाती है। धुआँ सीधे कलेजे को चाटकर लौटता है। बीड़ी के कश लगाते समय गौरी की आँखें सिकुड़ जाती हैं, और लगता है जैसे वह कहीं दूर देख रही है, और गहरे विचारों में खो गई है। पर वास्तव में गौरी कुछ भी नहीं सोच रही है। वह सिर पर खाट रखे, दो बच्चों को उठाकर मील-भर का रास्ता तय करके आई है, और काम शुरु करने से पहले ही थक गई है, इसी कारण उसकी आँखें मुँद रही हैं।

3. 'एक कमज़ोर लड़की की कहानी' **अथवा** 'पिकनिक' कहानी की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए। 15

4. 'दिल्ली में एक मौत' कहानी के आधार पर महानगरीय जीवन के बदलते चरित्र और उसके कारणों पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'माँ' कहानी के माध्यम से प्रेमचंद किन टूटते मूल्यों की ओर संकेत करते हैं? स्पष्ट कीजिए। 15

5. 'धूप का एक टुकड़ा' **अथवा** 'घुसपैठिए' कहानी के शिल्प का मूल्यांकन कीजिए। 15